भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

वर्ष 10 अंक 6
जून 2018

अनुक्रमणिका

पृ.सं.	शीर्षक
01	महत्वपूर्ण अनुसंधान
03	प्रदर्शनियां
04	विदेश दौरे
04	कार्यशाला/संगोष्ठी/बैठकें
05	राजभाषा
06	प्रशिक्षण कार्यक्रम
07	गण्यमान्य व्यक्तियों का दौरा
07	विविध
08	पेटेंट
08	बहिमुखीकरण भ्रमण
08	मानव संसाधन समाचार

महत्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष :

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून :

- परियोजना ''भारत के टेटीगोनाइडी (आर्थोप्टेरा) का वर्गिकी अध्ययन (ए.आई.सी.ओ.पी.टी.ए.एक्स, प.व.ज.मं.)'' के अंतर्गत एकत्रित प्रजातियों का चिन्हीकरण प्रगति में है।
- परियोजना ''स्व–स्थाने पर्ण अर्बुद उत्पादन की ससिडोलॉजी एवं पौधशाला स्थापना हेतु संभावनाओं का अन्वेषण (डाबर इंडिया प्रा.लि.)'' के अंतर्गत क्षेत्र से एकत्रित *पिस्तासिया इंटेगेरिमा* के पादपों को अनुरक्षित किया जा रहा है, 12 पादपों में से मात्र 2 ही स्थापित हुए हैं।
- हरियाणा के विभिन्न जिलों (पानीपत, पलवल, फरीदाबाद तथा नुह) में दौरे किये गये। *एपेनटेलस* प्रजाति की जांच हेतु 40 कीट नमूने एकत्रित किए गए। वानिकी क्षेत्र से लार्वा के पांच नमूने एकत्रित किए गए। उत्तराखंड और हरियाणा से *एपेनटेलस* प्रजाति (हाइमेनोप्टेराःब्राकोनिडी) के कीटडिंभ परजीवियों की मेजबान रेंज पर वर्गिकी अध्ययन'' के अंतर्गत स्लाइड बनाने तथा अन्य *एपेनटेलस* प्रजातियों का प्रजाति चिन्हीकरण प्रगति में है।
- परियोजना ''उत्तरी भारत (हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखंड) से हाइमेनोप्ट्रेन अंड परजीवियों की मेजबान रेंज तथा विविधता पर अध्ययन'' के अंतर्गत देहरादून, उत्तराखंड से 5 कीट अंड नमूने एकत्रित किए गए तथा परजीवियों के उद्‌गम हेतु कांच नलिकाओं में रखा गया।
- *सी.एनयुलेरिस* का जीव विज्ञान तथा पालन जारी है। संक्रमित बांस प्रजातियों को क्षेत्र से एकत्रित किया गया, परीक्षित किया गया तथा जिंक, काष्ठ, चिमनी एवं बाहरी पिंजरों में रखा गया। परियोजना ''*क्लोरोफोरस एनयुलेरिस* फैब (कोलियोप्टेराःसेरामबाइसीडी) कटे व सूखे बासों का एक मुख्य छेदक का महामारी विज्ञान एवं प्रबंधन''के अंतर्गत व.अ.सं. की कीटशाला में छेदक के प्रबंधन हेतु तंत्रात्मक एवं संपर्क कीटनाशकों के उपयोग से नियंत्रण प्रयोग किए गए।
- वन उप–प्रकारोंः 3सी/सी 2ए नम शिवालिक साल वन, 5बी/सी2 उत्तरी शुष्क मिश्रित पर्णपाती वन, 9/सी 1बी ऊपरी हिमालय चीड़ पाइन वन तथा 12/सी 1ए बन ओक वनों के अंतर्गत लैंसडाऊन वन प्रभाग, जिला पौढ़ी गढवाल, उत्तराखंड में तितलियों तथा वनस्पति के नमूनों हेतु 11 ट्रांजेक्टों में एक सर्वेक्षण किया गया। कीट एवं पादप सामग्री के एकत्रण के अतिरिक्त उपर्युक्त क्षेत्र के वन उप–प्रकार मानचित्र सम्मिश्र कृत्रिम रंग उपग्रह चित्रकारी भी तैयार की गई। अभिज्ञात पादप प्रजातियों के हर्बेरियम भी तैयार किए गए। परियोजना ''उत्तराखंड में विभिन्न वन प्रकारों/उप प्रकारों से संबद्ध तितलियां'' के अंतर्गत अब तक के वन उप–प्रकारों तथा तितलियों के लिए गए नमूनों पर आंकडा भंडार अद्यतनीकृत किया गया।
- मई 2018 के दौरान, ओक वन क्षेत्रों में तथा चकराता वन प्रभाग (जिला– देहरादून) के चारों ओर बन, मोरू तथा खारसु ओक वनों में सर्वेक्षण किया गया। काष्ठ छेदक की 2 प्रजातियों, लेपीडोप्टेरा की 4 प्रजातियों, पादप बग की 1 प्रजाति पर कीट तथा संक्रमित सामग्री एकत्र की गई। क्षेत्र से एकत्रित बोरर संक्रमित खारसु ओक के कुन्दों को छेदक के जीवन–चक्र पर प्रयोगों हेतु प्रयोगशाला में रखा गया। परियोजना ''पश्चिमी हिमालयी ओक के नाशीकीट तथा उनका नियंत्रण'' के अंतर्गत कोलिओप्टेरा की 5 प्रजातियों तथा लेपीडोप्टेरा की 3 प्रजातियों पर पश्चिमी हिमालयी ओक के आंकडा–भंडार को अद्यतनीकृत किया गया।
- कीटों की 300 प्रजातियों का डिजीटलीकरण किया गया। आंकड़ा भण्डार में आंकड़े रखने वाली सम्पादित प्रजातियों हेतु आंकड़ा भण्डार अद्यतन किया गया। परियोजना ''वन अनुसंधान संस्थान के राष्ट्रीय वन कीट संग्रह (एन.एफ.आई.सी.) का डिजीटलीकरण एवं संवर्धन– चरण II (सूक्ष्म कीट)''

के अंतर्गत *मधुका लांगिफोलिआ* के पर्णों पर छिद्र अर्बुद करने वाली यूलोफिड प्रजातियों पर कार्य प्रगति पर है।

- पोपलर पौधशाला के रख रखाव का कार्य किया गया। परियोजना ''पोपलर पर्ण निष्पत्रक, *क्लोस्टेरा क्युप्रेटा* बट के विरूद्ध पोपलर कृन्तकों की प्रतिरक्षा हेतु जांच के अंतर्गत उत्पादन क्षति का अवलोकन किया गया।
- प्रयोगशाला तथा ग्रीनहाउस प्रयोगों में शीशम शिथिलन रोगाणु के विरूद्ध *ट्रायकोडर्मा वाइरेंस* (जीन बैंक पंजीकरण संख्या KX014717) प्रभावी पाया गया।
- *कैसिया जावनिका* की पर्ण स्पॉट व्याधि की जांच की गई तथा कारक जीव यानी *एलटर्निरेरिआ* प्रजा. को चिन्हित किया, इसके अतिरिक्त, रोगाणुजनकता परीक्षणों को भी प्रमाणित किया गया।
- पेलिओ (सहारनपुर) तथा धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) स्थलों पर रूप–रेखा नक्शा तथा तैयारी की गई। परियोजना ''उत्तराखंड तथा उत्तर प्रदेश की निम्नीकृत भूमियों में *मेलिना आर्बोरिया* तथा वानिकी मॉडलों का विकास'' के अंतर्गत *जी. अर्बोरिआ* के प्राप्त नवांकुरों का व.अ.सं., देहरादून के केन्द्रीय पौधशाला में अनुरक्षण किया गया।
- धालुवाला मजबाटा (हरिद्वार) में स्थल चयन तथा रूपरेखा प्रारूप पूर्ण हुआ। परियोजना ''उत्तराखण्ड में वर्षा आधारित परिस्थितियों में कचनार *(बऊनिआ वेरिगाटा)*, भीमल *(गीव्रिआ ऑपटिवा)* तथा कदंब *(एथोंसिफलस कदंबा)* आधारित कृषि वानिकी मॉडलों का कृषकों की भूमि पर विकास'' के अंतर्गत भीमल और कदंब के प्राप्त नवांकुरों को व.अ.सं., देहरादून की केन्द्रीय पौधशाला में अनुरक्षित किया गया।
- परियोजना ''उत्तराखंड में विभिन्न वन आच्छादन क्षेत्र की मृदा से कार्बन पृथक्करण तथा कार्बन डाइऑक्साइड़ उत्सर्जन'' के अंतर्गत CO_2 उत्सर्जन का अभिलेखन तथा मृदा नमूनों के एकत्रण की प्रक्रिया और जांच जारी है।
- परियोजना ''उत्तराखंड में मृदा श्वसन, जीवाण्विक प्रजातियों और किण्वक क्रियाकलापों पर ऊंचाई और ऋतुओं का प्रभाव'' के अंतर्गत चकराता, थानो और लैंसडाऊन वन प्रभाग में एक दौरा आयोजित किया गया तथा विभिन्न स्थलों से 66 मृदा नमूने एकत्रित किए गए।
- परियोजना ''उत्तराखंड के चीड़–पाइन तथा ओक वनों में मृदा गुणों और सूक्ष्म जीवों पर पश्चय अग्नि प्रभाव'' के अंतर्गत 18 मृदा नमूनों की स्थूल घनत्व हेतु जांच की गई तथा PH तथा EC हेतु 15 मृदा नमूनों की जांच की गई।
- परियोजना ''उत्तराखंड हिमालय में विभिन्न वन प्रकारों में संवहनीय प्रबंधन हेतु मृदा पोषकों के समुच्चय तथा सूक्ष्मजीव अध्ययन'' के अंतर्गत 20 मृदा नमूनों का जल अभिग्रहण क्षमता हेतु जांच की गई। उपलब्ध नाइट्रोजन और फॉस्फोरस हेतु 16 मृदा नमूनों की जांच की गई। परियोजना ''उत्थित CO_2 सांद्रताओं पर पादपों की अनुकूलन प्रतिक्रिया का अध्ययन'' के अंतर्गत पादप प्रजातियों के दैहिक प्राचलों को ओपन टॉप चैम्बर परिस्थितियों में विभिन्न CO_2 सान्द्रणों परिवेशी, 600,800,1000 और 1200 पी.पी.एम. पर अनावृत किया गया था, उन्हें अभिलिखित किया गया।
- कैम्पटी जलोत्सारण परियोजना हेतु ए.पी.आर. प्रस्तुतिकरण। कैम्पटी जलोत्सारण के दौरे में सभी प्रतिदर्श स्थलों से रासायनिक विश्लेषण यथा OC%, N, P, M, K आदि हेतु मृदा नमूनों का एकत्रण; रासायनिक विश्लेषण और सस्पेंडेड तलछट हेतु जल नमूनों का एकत्रण सम्मिलित था। घुलित ऑक्सीजन, गंदगी, क्लोरीन, पी.एच., ई.सी., टी.डी.एस. इत्यादि का विश्लेषण किया जाएगा। बायोमास और कार्बन आकलन हेतु गिरे हुए पर्ण करकट का एकत्रण (मासिक)। गिरे हुए करकट के बायोमास आकलन हेतु ताजा वजन एवं शुष्क वजन (भारात्मक) विधि का प्रयोग किया जाएगा। अध्ययन स्थल से एकत्रित 10 मृदा नमूनों का पी.एच.ई.सी., उपलब्ध नाईट्रोजन, उपलब्ध फॉस्फोरस, विनिमेय पोटेशियम, जैविक कार्बन, जैविक पदार्थ तथा संरचना हेतु भौतिक–रासायनिक जांच की गई। प्रतिदर्श स्थलों (05) से बायोमास और कार्बन आकलन हेतु गिरे हुए करकट एकत्रित किए गए। परियोजना ''कैम्पटी जलोत्सारण के वनों द्वारा प्रदान की गई जल विज्ञान संबंधित सेवाओं का आकलन (मसूरी)'' के अंतर्गत प्रवाह में मुअत्तल तलछट सांद्रता की जांच हेतु 05 प्रतिदर्श स्थलों से 5 जल नमूने लिए गए।
- परियोजना (रेणुकाजी बांध परियोजना, एच.पी.पी.सी.एल.) की अंतिम रिर्पोट ''रेणुकाजी बांध परियोजना के लिए सामाजिक–आर्थिक आधाररेखीय सर्वेक्षण तथा एस.आई.ए. '' वित्तीयन एजेन्सी को जमा करने हेतु तैयार की गई।
- परियोजना ''एन.सी.एल. में पारिस्थितिकीय पुनरूद्धार कार्यों हेतु रोडमैप की तैयारी (द्वितीय चरण)'' के अंतर्गत परियोजना रिपोर्ट प्रगति में है।
- परियोजना ''बी.सी.सी.एल. द्वारा लिए गए अधिभारित ढेरों/खनित क्षेत्रों (44.0हे.) पर तकनीकी सलाहकार/विशेषज्ञ के रूप में कार्य'' के अंतर्गत पुनरूद्धारित स्थलों का मृदा सूक्ष्मजीव–बायोमास विश्लेषण प्रगति में है।
- अर्ध–शुष्क परिस्थितियों के अंतर्गत ग्वार गम का क्वाटरनाइजेशन किया गया। अभिक्रियाएं औद्योगिकी महत्व की हैं।
- मसूरी वन प्रभाग में उगी *मायरिका एस्कुलेंटा* की तीन वृक्ष आबदियों को उनकी छाल में कुल फिनोलिक मात्रा हेतु पहली बार लक्षण वर्णित किया गया।

- अरूणाचल प्रदेश से एकत्रित *वैलेरियाना जटामांसी* की दो वन्य आबादियों को उनके प्रकदों में उनमें सगंध तेल के संघटन सुनिश्चित/ नियत करने हेतु पहली बार लक्षण–वर्णित किया गया।
- *रहस पार्विफ्लोरा* फलों के कुछ विलायक निष्कर्षों में कुल फिनोलिक तथा कुल फ्लेनोइड मात्रा का मूल्यांकन किया गया।
- *फाई पामाटा* फलों के कुछ निष्कर्षों के विभिन्न अंशों की गुणात्मक पादप–रासायनिक जांच की गई।

शुष्क वन अनुसंधान संस्थान, जोधपुर :

- जोधपुर की पौधशाला से तीन वृक्ष प्रजातियों पर मृदा आर्थोपोड की दो प्रजातियां तथा लेपीडोप्टेरन इल्ली की दो प्रजातियां दर्ज की गई। क्रिसटीकोलिडे वंश से संबंधित कीटभक्षक पक्षी *ऑर्थोटोमस सूटोरियस* (कॉमन टेलरबर्ड) के घोसला बनाने की क्रिया दो वृक्षों से दर्ज की गई।
- परियोजना ''गुजरात में चंदन रोपणियों का मूल्यांकन'' के अंतर्गत चंदन रोपणियों की स्थापना हेतु आनंद कृषि विश्वद्यिालय में भूमि आवंटित की गई। गुजरात में दो स्थानों (आनंद और राजकोट) में रोपण क्रियाकलाप शुरू किए गए।
- परियोजना ''गुजरात में *कैजुरिना* का बहु–स्थाने कृन्तकीय परीक्षण'' के अंतर्गत गुजरात में तीन स्थानों में भावनगर (2–स्थानों) तथा राजकोट में *कैजुरिना* परीक्षण स्थापित करने हेतु रोपण क्रियाकलाप शुरू किए गए।
- एन.एम.पी.बी., नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित परियोजना ''राजस्थान के जोधपुर प्रभाग में इसबगोल तथा सेन्ना का कृषि–अर्थशास्त्र आकलन, अंतर विश्लेषण तथा बाजार मूल्य प्रसार अध्ययन'' के अंतर्गत जोधपुर, जालौढ़ तथा पाली जिला में विस्तृत सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण किया गया। प्रारंभिक निष्कर्षों से ज्ञात हुआ कि कृषकों द्वारा इसबगोल बीजों की बिक्री द्वारा कुल अर्जित लाभ रू. 4350/–, 4207/– तथा 4205/– कुन्तल/हेक्टेयर क्रमशः ज्ञात हुए। इसके अतिरिक्त रू. 2000/– प्रति हेक्टेयर का मवेशी चारा भी प्राप्त किया गया।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला :

- एक प्लान परियोजना ''ओक चारे पर सामुदायिक निर्भरता तथा हिमाचल की विभिन्न ओक प्रजातियों पर तुलनात्मक विश्लेषण'' के अंतर्गत हिमाचल प्रदेश के 11 वन प्रभागों में ग्रामीणों की ओक चारे पर निर्भरता आकलन हेतु एक सर्वेक्षण किया गया, यह महसूस किया गया कि कुछ समुदाय वर्ष भर ओक चारे पर अत्यधिक निर्भर हैं, जबकि राज्य के अन्य हिस्सों में प्रवास करने वाले कुछ अन्य समुदायों ने इस प्रकार की निर्भरता वर्ष में केवल सर्दियों के माह के दौरान दर्शित की। यह स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि समुदायों की आवश्यकता के अनुसार चारा आवश्यकताएं भिन्न हैं तथा ये अन्य संबंधित सामाजिक–आर्थिक मुद्दों पर निर्भर हो सकते हैं।

प्रदर्शनियां :

संस्थान	प्रतिभाग/आयोजन	समयावधि	स्थान
वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून	विश्व पर्यावरण दिवस प्रदर्शनी	2 से 5 जून 2018	वन विज्ञान भवन, नई दिल्ली
उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर	प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया	24 जून 2018	उ.व.अ.सं., खेल परिसर
वन अनुसंधान केन्द्र आजीविका तथा विस्तार–अगरतला	प्रदर्शनी में प्रतिभाग किया	1 से 5 जून 2018	वन विज्ञान भवन, नई दिल्ली

डॉ. हर्ष वर्धन, माननीय मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार ने वन विज्ञान भवन, नई दिल्ली में भा.वा.अ.शि.प. के स्टॉल का दौरा किया

वन विज्ञान भवन, नई दिल्ली में प्रदर्शनी में वैज्ञानिकों के साथ महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प. तथा निदेशक, व.अ.सं.

विदेश दौरे :

अधिकारी का नाम	संस्थान	दौरे का उद्देश्य	समयावधि	सीान
श्री सुरेन्द्र कुमार, निदेशक; डॉ. बी. एन. दिवाकर, वैज्ञानिक–ई तथा पी.आई, का.वि.प्रौ.सं.; बेंगलुरू डॉ. वी.पी. तिवारी, निदेशक, हि.व.अ.सं. तथा सह–पी.आई.	का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू तथा हि.व.अ.सं. शिमला	ग्रामीण–शहरी अंतराफलक में स्थानिक–अस्थायी भू–प्रयोग स्वरूप तथा हरित क्षेत्रों और जैव–भौतिक विशेषताओं के बीच संबंध	13 से 17 जून 2018	जॉर्ज अगस्ट विश्वविद्यालय, गोटेनजेन,जर्मनी
डॉ. आर.एस.सी. जयराज निदेशक, व.व.अ.सं	व.व.अ.सं., जोरहाट	वन्य जीव एवं वनस्पति (सी.आई.टी.ई.एस.) की लुप्तप्राय प्रजातियों में अंतर्राष्ट्रीय व्यापार, एशिया हेतु क्षेत्रीय वृक्ष प्रजाति कार्यक्रम बैठक	25 से 29 जून 2018	योग्यकार्टा, इंडोनशिया

योग्यकार्टा, इंडोनेशिया में एशिया हेतु सी.आई.टी.ई.एस. वृक्ष प्रजाति कार्यक्रम क्षेत्रीय कार्यशाला आयोजित हुई

कार्यशाला, संगोष्ठी, बैठकें :

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून		
1.	उत्तराखंड के लिए राष्ट्रीय रेड्ड+ कार्य योजना का निर्माण	13 जून 2018	9 प्रतिभागी
2.	भा.वा.अ.शि.प. की कार्यप्रणाली की समीक्षा	13 जून 2018	2 प्रतिभागी
	वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून		
3.	वृक्ष सुधार तथा वन जैव प्रौद्योगिकी : उपलब्धियां एवं अग्रेतर पथ	22 जून 2018	–

वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कायम्बटूर			
4.	वन पारितंत्र सेवायें : वर्गीकरण, मूल्यन तथा पारितंत्र सेवाओं हेतु भुगतान	28 जून 2018	41 एस.एफ.एस. प्रशिक्षु, कासफोस, कोयम्बटूर

डॉ. मोहित गेरा, भा.व.से., निदेशक, व.आ.वृ.प्र.सं., एफ.सी. तथा आर. आई. मेटटुपलायम के पी.एच.डी. अध्येताओं से वार्तालाप करते हुए

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर			
5.	वन संपदा से स्वरोजगार की असीम संभावनाएं	26 जून 2018	–
वन उत्पादकता संस्थान, रांची			
6.	मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन	13 जून 2018	सभी वैज्ञानिक तथा अधिकारी
वन आजीविका तथा विस्तार केन्द्र, अगरतला			
7.	प्लास्टिक प्रदूषण नियंत्रण के समाधान हेतु सामुदायिक उपक्रम प्रोत्साहन	18 जून 2018	–

राजभाषा समाचार :

- व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर ने 13 जून 2018 को राजभाषा के प्रभावी कार्यान्वयन पर जागरूकता हेतु हिन्दी कार्यशाला आयोजित की। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन से, श्री एस. वीरमणिकंदन, वरिष्ठ हिन्दी अनुवादक को अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया तथा उन्होनें ''दैनिक शासकीय कार्यों में राजभाषा प्रयोग की सरल विधियों'' पर व्याख्यान दिया।

- नगर राजभाषा कार्यान्व्यन समिति, शिमला के तत्वावधान में सदस्य कार्यालयों के कर्मियों के लिए हिमालयन वन अनुंसंधान संस्थान, शिमला द्वारा हिन्दी कार्यशाला का आयोजन दिनांक 12 जून 2018 को किया गया, जिसमें केंन्द्र सरकार कार्यालयों के लगभग 30 के कर्मियों ने भाग लिया। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (कार्यालय–2), शिमला की सदस्य सचिव, श्रीमती मृदुला श्रीवास्तव तथा श्री राजेश डोगरा, प्रबंधक (हिंदी), राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रमीण विकास बैंक, शिमला ने मुख्य वक्ता रूप में व्याख्यान दिए।

- वन उत्पादकता संस्थान, रांची की हिन्दी समिति के सदस्यों ने 6 जून 2018 को त्रैमासिक हिन्दी बैठक का आयोजन किया।

प्रशिक्षण कार्यक्रमः

क्र.सं.	विषय	समयावधि	लाभार्थी
	वन आनुवंशिकी एवं वृक्ष प्रजनन संस्थान, कोयम्बटूर		
1.	जैवरसायन तथा जैवप्रौद्योगिकी पर प्रशिक्षण	4–8 जून 2018	पी.एस.जी.सी.ए.एस.,कोयम्बटूर के स्नातक छात्र
	काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
2.	काष्ठ चिन्हीकरण एवं वृक्ष सुधार	12–15 जून 2018	कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री, पोन्नामपेट के बी.एस.सी. के छात्र
3.	काष्ठ बहुलक सम्मिश्र	16 जून 2018	कॉलेज ऑफ फॉरेस्ट्री, पोन्नामपेट के बी.एस.सी. के 54 छात्र
4.	चंदन कृषि तथा संबंधित पहलू	26 जून 2018	ग्राम बेलागुरू, कर्नाटक के 40 किसान तथा अन्य हितधारक
	वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट		
5.	वानिकी	4 से 29 जून 2018	मेवाड़ विश्वविद्यालय चित्तौड़गढ़ राजस्थान के बी.एस.सी. (वानिकी) के 13 छात्र
6.	बांस हस्तशिल्प	11 से 25 जून 2018	लवली प्रोफेशनल यूनवर्सिटी, जलंधर (पंजाब) के छात्र

व.व.अ.सं., जोरहाट में मेवाड़ विश्वविद्यालय, राजस्थान के बी.एस.सी. (वानिकी) के छात्रों का वानिकी पर लघु अवधि प्रशिक्षण

गण्यमान्य व्यक्तियों का दौरा :

- श्री अनिल कुमार जैन, अपर सचिव; पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली ने 28 जून 2018 को वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून का दौरा किया।
- श्री परिमल सुक्लबैद्य, माननीय मंत्री, पर्यावरण एवं वन, असम सरकार ; श्री रूपज्योति कुर्मी, विधानसभा के सदस्य, मैरियनि निर्वाचन क्षेत्र, जोरहाट,असम तथा श्री एन.के. वासु, भा.व.से., प्रधान मुख्य वन संरक्षक तथा प्रमुख, वन बल, असम ने 06 जून 2018 को व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया।

श्री परिमल सुक्लबैद्य, माननीय मंत्री, पर्यावरण एवं वन, असम सरकार ने व.व.अ.सं., जोरहाट का दौरा किया।

विविधः

संस्थान	विशेष दिन/विषय–वस्तु	समयावधि
व.अ.सं., देहरादून; व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर; का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू; उ.व.अ.सं., जबलपुर; शु.व.अ.सं. जोधपुर; व.व.अ.सं., जोरहाट; हि.व.अ.सं.,शिमला; व.उ.सं., रांची; व.जै.सं., हैदराबाद	विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून 2018
	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	21 जून 2018

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर भारत के माननीय प्रधानमंत्री, श्री नरेन्द्र मोदी जी व.अ.सं., देहरादून पधारे।

पेटेंट :

- का.वि.प्रौ.सं., बेंगलुरू द्वारा ''शुद्ध चन्दनकाष्ठ तथा अन्य सगंध तेलों के विभेदन हेतु विकसित एक सरल तथा तीव्र विधि'' पर 11 जून 2018 को एक अस्थायी पेटेंट दायर किया गया।

बहिमुखीकरण भ्रमण :

- व.व.अ.सं., जोरहाट ने 18 जून 2018 को बांस कृषि, प्रवर्धन, पौधशाला प्रबंधन, मूल्य वर्धन तथा बांस परिक्षण तकनीकों पर जोरहाट के श्री प्रबीन कुर्मी तथा श्री आदित्य बेरिया और नवोदय विद्यालय, टिटाबर, जोरहाट के तीन छात्रों को प्रशिक्षण दिया।
- बहिमुखीकरण दौरे के अंतर्गत, राष्ट्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज्य संस्थानों, के ''संवहनीय ग्रामीण विकास हेतु कृषि–जलवायु आधारित नवोन्मेष'' पर प्रशिक्षणाधीन ओडिशा राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के 25 अधिकारी प्रशिक्षुओं ने अपने प्रशिक्षण समन्वयकों के साथ हि.व.अ.सं., शिमला का 29 जून 2018 को दौरा किया।
- बहिमुखीकरण दौरे के अंतर्गत, वन प्रशिक्षण अकादमी, हल्द्वानी के 27 वन रेंज अधिकारी प्रशिक्षुओं ने अपने संकाय सदस्यों के साथ 19 जून 2018 को हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला का दौरा किया। प्रशिक्षुओं को अनुसंधान क्रियाकलापों से अवगत कराने हेतु प्रयोगशालाओं में भी ले जाया गया।

मानव संसाधन समाचार :

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	सेवानिवृत्ति की तिथि
श्री वी.आर.एस. रावत, वैज्ञानिक–एफ, बी.सी.सी. प्रभाग, भा.वा.अ.शि.प.	30.06.2018
श्री पी. मणिवचकम, वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी, व.आ.वृ.प्र.सं., कोयम्बटूर	30.06.2018

संरक्षक:
डॉ. सुरेश गैरोला, महानिदेशक
संपादक मंडल:
श्री विपिन चौधरी, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष
डॉ. (श्रीमती) शामिला कालिया, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग), मानद संपादक
श्री रमाकांत मिश्र, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार प्रभाग),सदस्य

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद
(पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त निकाय)
पी.ओ. न्यू फॉरेस्ट, देहरादून– 248006

''वानिकी में उत्कृष्टता हेतु भा.वा.अ.शि.प. पुरस्कार – 2018''

"मूल एवं उत्कृष्ट कार्य/अनुसंधान योगदान हेतु ''वानिकी में उत्कृष्टता हेतु भा.वा.अ.शि.प. पुरस्कार–2018'' प्रदान किए जाते हैं। श्रेणियां निम्नलिखित हैं : **(क)** भा.वा.अ.शि.प. कार्मिक **(पांच पुरस्कार) (ख)** गैर–भा.वा.अ.शि.प. व्यक्ति, संस्थान तथा संगठन **(छः पुरस्कार) (ग)** वानिकी में भा.वा.अ.शि.प. जीवनकाल उपलब्धि पुरस्कार **(एक पुरस्कार)**
दिशानिर्देशों तथा प्रोफार्मा के साथ विस्तृत विज्ञापन भा.वा.अ.शि.प. वेबसाइट www.icfre.org तथा सहायक महानिदेशक (शिक्षा एवं भर्ती बोर्ड) के कार्यालय में उपलब्ध है।

पूर्ण आवेदन यहां भेजा जाना चाहिए :
स.म.नि. (शिक्षा एवं भर्ती बोर्ड)
भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्
पो.ओ.– न्यू फॉरेस्ट, देहरादून – 248006
दूरभाष : 0135– 222– 48520, 2758348,
फैक्स – 0135– 2758571
ई मेल : adg_edu@icfre.org, rb.icfre@gmail.com

प्रत्याख्यान

केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।

वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती है।

यहां प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।